# कहानी कुछ ऐसी भी ...

डॉ.सी.कामेश्वरी

मनुष्य संप्रेषण, अपनी भावनाओं के आदान-प्रदान के लिए भाषा का प्रयोग करता है। मनुष्य शब्दों के चयन से भाषा को प्रभावशाली बनाता है। भाषा जितनी सरल, सुंदर, चमत्कारपूर्ण हो, वह उतनी ही श्रेष्ठ या उत्तम कहलाती है और लोगों को कर्ण-मधुर जान पड़ती है। व्यक्ति दूसरे लोगों को बोलते देखकर उसे सुनता है और फिर बोलना सीखता है। अपने अंदर निहित कला से वह उस भाषा को और भी सुंदर और सशक्त बनाता है। भाषा जितनी सशक्त और भावपूर्ण होगी उसकी पहचान उतनी ही बढ़ती है। वैसे तो भाषा में केवल शब्दों के प्रयोग मात्र से ही प्रभाव दिखाई देने लगता है परंतु मुहावरे, लोकोक्तियाँ और कहावतों के कारण भाषा सशक्त बनती है। सभा, समारोहों और संगोष्ठियों में, हमें मुहावरेदार भाषा देखने को मिलती है। प्रभावशाली भाषा के ही कारण समाचार पत्र अपनी छाप अंकित कर लेते हैं। पाश्चात्य प्रभाव और अंग्रेजी भाषा के बढ़ते प्रयोग के कारण आजकल मातृभाषा का गौरव और प्रभाव कम होता जा रहा है। समाज में एक वर्ग ऐसा है, जो अंग्रेजी भाषा का प्रयोग कर अपनी रोजी रोटी कमाने में बड़े ही सक्षम हो रहे हैं, तो दूसरी ओर एक वर्ग ऐसा भी है जो प्रांतीय भाषा के अलावा अन्य भाषा न जानने के कारण अभावग्रस्त हो कर नौकरी प्राप्त करने में असफल हो रहे हैं।

भाषा के सौंदर्य को बढ़ाने में अनेक अंश हैं। चमत्कार पूर्ण शब्द प्रयोग के साथ-साथ यदि भाषा में मुहावरे, लोकोक्तियों और कहावतों का प्रयोग किया जाए तो भाषा में चार चाँद लग जाते हैं।

"भाषा अपने को व्यक्त करने का साधन है। व्यक्ति अपने विचार भाषा के माध्यम से ही समाज में व्यक्त करता है।"[1] आधुनिक काल के आरंभ होने के पश्चात् और अंग्रेजी भाषा के प्रभाव के परिणामस्वरूप भाषा में, व्याकरण में, अनेक परिवर्तन हुए और तभी से हिंदी भाषा में मुहावरे, लोकोक्तियों का प्रभाव दिखायी देने लगा।"[2]

"मनुष्य जिस माध्यम से अपने विचारों, भावों व इच्छाओं को व्यक्त कर सके, उसे भाषा कहना सहज सार्थक है।"[3]

"भाषा यादृच्छिक वाचिक प्रतीकों की वह संरचना है जिसके माध्यम से एक मानव समुदाय परस्पर व्यवहार करता है। भाषा वह है जो बोली जाती है, वह जो विशिष्ट समुदाय में बोली जाती है और जो मनुष्य समाज के भीतर की ऐसी कड़ी है, जो निरंतर आगे जुड़ती रहती है।"[4]

अनेक विशिष्टताओं से पूर्ण हिंदी भाषा में मुहावरे, लोकोक्तियाँ और कहावतों का प्रचलन अनादि काल से चला आ रहा है।